471

MASA-06

June – Examination 2020

M.A. (Final) Examination

SANSKRIT

नाटक तथा नाट्यशास्त्र

Paper : MASA-06

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) उत्तररामचरितम् नाटक में चित्रवीथी प्रदर्शन किस अंक में है ?

   (ii) उत्तररामचरितम् के तृतीय अंक का क्या नाम है ?

(iii) रत्नावली के नायक तथा नायिका का नाम लिखिए।

(iv) दशरूपक के अनुसार नायक के **चार** प्रकार कौनसे हैं ?

(v) दशरूपकानुसार नाट्य का संक्षिप्त लक्षण लिखिए।

(vi) दशरूपकानुसार पञ्च सन्धियों के नाम लिखिए।

(vii) नाट्यशास्त्र के अनुसार रस किस वेद से ग्रहीत है ?

(viii) वीर रस का स्थायी भाव क्या है ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** पद्य की व्याख्या सप्रसंग हिन्दी भाषा में कीजिए :

अथेदं रक्षोभिः कनकहरिणच्छद्मविधिना,

तथावृत्तं पापैर्व्यथयति यथा क्षालितमपि।

जनस्थाने शून्ये विकलकरणैरार्यचरितैः,

अपि ग्रावा रोदित्यपि दलति वज्रस्य हृदयम्॥

अथवा

अपस्थानुकृतिर्नाट्यं, रूपं दृश्यतयोच्यते।

रूपकं तत्समारोपात्, दशधैव रसाश्रयम्॥

3. 'कारुण्यं भवभूतिरेव तनुते' उद्धरण की समीक्षा सोदाहरण कीजिए।

4. दशरूपकानुसार नाट्यवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

5. रत्नावली नाटिका का कथासार लिखिए।

6. दशरूपकानुसार धीरोदात्त नायक के गुणों का विवेचन कीजिए।

7. उत्तररामचरितम् के कथानक की मौलिकता की समीक्षा कीजिए।

8. नाट्यशास्त्र के अनुसार शृंगार रस पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

9. नाट्यशास्त्रानुसार रस निष्पत्ति के विघ्नों पर चर्चा कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10. 'उत्तरेरामचरिते भवभूतिर्विशेष्यते' उक्ति के आलोक में भवभूति और कालिदास की नाट्यकला की तुलना कीजिए।

11. दशरूपकम् के अनुसार सात्विक भावों पर विस्तृत लेख लिखिए।

12. रस निष्पत्ति से सम्बद्ध रस सूत्र की व्याख्या अभिव्यक्तिवाद के संदर्भ में कीजिए।

13. रत्नावली नाटिका की नाट्यशास्त्रीय समीक्षा कीजिए।